


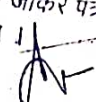






तारीख हुवम	हुवम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहमद हुवम में
20/10/23	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। पूर्व आदेश की पालना में अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक <u>31-10-23</u> को पेश हो। 	
31/10/23	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय वीरे/ अयकश/अन्य उनाव राजकार्य में तशरीफ रखते हैं। पत्रावली दि <u>6-12-23</u> को पेश हो। 	
6-12-23	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय वीरे/ अयकश/अन्य राजकार्य में तशरीफ रखते हैं। पत्रावली दि <u>20-12-23</u> को पेश हो। 	
20/12/23	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। पूर्व आदेश की पालना में अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक <u>9-1-24</u> को पेश हो। 	
9-1-24	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित बहल प्रावपत्र न.प. हेतु अवसर प्राप्त प्रवसर किया जाकर पत्रावली दिनांक <u>11-1-24</u> को पेश हो। 	
11-1-24	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। पूर्व आदेश की पालना में अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक <u>31-1-24</u> को पेश हो। 	
31-1-24	पत्रावली पेश हुई वकील पक्षकारान उपस्थित बहल प्रावपत्र न.प. सुनी गई बहल में वकील प्रार्थी ने अपने प्रा पत्र में बतित तथ्यों को दोहराया। वकील प्रार्थी ने अपने जवाब प्रावपत्र 	

उपस्थित अधिकारी
जैना (पूर्व)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, नैनवां, जिला बून्दी (राज0)

व हुकम	हुकम कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
--------	------------------------------	---

मे वरिष्ठ तर्कों को दोहराया। वकील प्रार्थी ने निवेदन किया कि प्रकरण में प्रांप्त रिसीवर हेतु पेश हो जाने से अस्थायी निषेधाज्ञा का प्रांप्त पृथक् से निवृत्त किये जाने की आवश्यकता नहीं रह जाती है। अतः प्रांप्त संख्या 148/2021 वास्ते रिसीवर नियुक्त करने बाबत में सुनी गई बहस को ही इस प्रांप्त की बहस माना जाकर तदनुसार निवृत्त किये जाने हेतु निवेदन किया। वकील प्रार्थी ने भी रिसीवर प्रांप्त की बहस के अनुसार ही इस प्रांप्त को निवृत्त किये जाने हेतु सहमति जाहिर की। रिसीवर नियुक्ति बाबत प्रांप्त 148/2021 के अनुसार प्रकरण में मंदिर की सेवा पूजा एवं सम्पत्ति की सार-संमाल धाऊड़ समाज गुढादेवजी द्वारा किया जाना प्रकट हुआ है, जिसमें मंदिर मंदिर की सेवा-पूजा एवं क्षमि तथा सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी प्रकार के खतरे या विरूपण अथवा हस्तान्तरण करने का कोई तथ्य साबित नहीं होने से प्रकरण प्रथम दृष्टया प्रार्थी के पक्ष में साबित नहीं होता है। मंदिर की सेवा पूजा एवं रखरखाव के सभी कार्य धाऊड़ समाज ग्राम गुढादेवजी द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है जो कि प्रस्तुत रिकार्ड दस्तावेजों से स्पष्ट होता है। अतः मंदिर मूर्ति के हितों को देखते हुए अप्ररणीय क्षति का बिन्दु भी प्रार्थी के पक्ष में साबित नहीं होता है। अस्थायी निषेधाज्ञा जारी किये जाने की स्थिति में मंदिर मूर्ति


उपखण्ड अधिकारी
नैनवां (बून्दी)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, नैनवां, जिला बून्दी

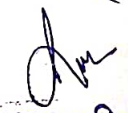
तारीख हुक्म

हुक्म कार्यवाही मय इनिशियल जज

न्यायाल

व्र हुक्म

की सेवा पूजा, ग्राम बासियान की चार्जिड
भावनाओं तथा मंदिर के रखरखाव की
व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की
संभावनाएँ होंगी। अतः मंदिर मूर्ति के
द्वितों की रक्षा के लिए सुविधा सन्तुलन
का बिन्दु भी प्रार्थी के विपरीत पक्ष में
प्रतीत होता है। उक्त विवेचन के आधार
पर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र वास्ते अस्थायी
निषेधाज्ञा श्वारिज किये जाने के आदेश
दिये जाते हैं। निर्णय खुले न्यायालय
में सुनाया गया। पत्रावली नम्बर से
क्रम की जाकर बाद तकमील मूलवाद
के साथ संलग्न रहे।


उपखण्ड अधिकारी
नैनवां (बून्दी)